भारती महाविद्यालय
राजभाषा कार्यान्वयन समिति

हिंदी पक्षोत्सव 2024 - 2025 के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

हिंदी पक्षोत्सव की निरंतरता को बनाए रखते हुए तथा महाविद्यालय परिवार में हिंदी भाषा के महत्व, उसकी प्रासंगिकता एवं उपयोगिता के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 23 और 27 सितंबर 2024 को महाविद्यालय में दो महत्वपूर्ण एक दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इन कार्यशालाओं का आयोजन राजभाषा कार्यान्वयन समिति और हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया, जिसमें विषय चयन से लेकर कार्यक्रम के संचालन तक, प्रत्येक चरण में गंभीरता, अनुशासन और सुसंगठित योजना का परिचय प्राप्त हुआ।

23 सितंबर 2024 को आयोजित प्रथम कार्यशाला का विषय था "राजभाषा कार्यान्वयन और हिंदी में उपलब्ध तकनीकी सुविधाएँ"। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में **डॉ. ओम प्रकाश**, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, ने अपनी विद्वत्तापूर्ण उपस्थिति दर्ज कराते हुए न केवल तकनीकी हिंदी की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला, बल्कि हिंदी में उपलब्ध विभिन्न तकनीकी साधनों, सॉफ्टवेयर, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और सरकारी स्तर पर किए जा रहे नवाचारों की जानकारी भी प्रदान की। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि आज के डिजिटल युग में यदि हिंदी को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है, तो उसके तकनीकी संसाधनों के विकास और अधिकतम प्रयोग की दिशा में गंभीर प्रयास करने होंगे। कार्यशाला में उन्होंने उदाहरण देकर यह भी बताया कि सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और निजी क्षेत्रों में हिंदी के तकनीकी प्रयोग को किस प्रकार बढ़ाया जा सकता है, जिससे यह न केवल संप्रेषण का माध्यम बने, बल्कि कार्यकुशलता और दक्षता में भी वृद्धि करे।

27 सितंबर 2024 को आयोजित द्वितीय कार्यशाला का विषय था "प्रतियोगी परीक्षाओं में भारतीय भाषाओं का महत्व"। इस कार्यशाला में श्री अनिल जोशी और **श्री संतोष कुमार तनेजा** ने संयुक्त रूप से अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने यह रेखांकित किया कि प्रतियोगी परीक्षाओं के क्षेत्र में भारतीय भाषाओं, विशेषकर हिंदी, का प्रभाव निरंतर बढ़ रहा है। उन्होंने प्रतिभागियों को यह विश्वास दिलाया कि मातृभाषा में उत्तर लेखन न केवल विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने में सहायक है, बल्कि मानसिक सहजता और आत्मविश्वास भी प्रदान करता है। उन्होंने विभिन्न केंद्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों के उदाहरण प्रस्तुत कर यह बताया कि हिंदी माध्यम से सफल होने के अवसर प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं, बशर्ते अभ्यर्थी गंभीर तैयारी करें और अपनी भाषा की अभिव्यक्ति क्षमता को मजबूत बनाएं।

दोनों कार्यशालाओं में छात्रों, शिक्षकों और महाविद्यालय के पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संवादात्मक शैली में आयोजित इन सत्रों ने न केवल प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया, बल्कि उन्हें हिंदी के प्रयोग को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आत्मसात करने की प्रेरणा भी दी।

शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए विशेष प्रतियोगिताएँ

हिंदी पक्षोत्सव के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में महाविद्यालय के शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए भी विविध प्रकार की रचनात्मक और ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य कर्मचारियों को हिंदी में अपनी अभिव्यक्ति क्षमता को विकसित करने, भाषा के औपचारिक प्रयोग में दक्षता प्राप्त करने और राजभाषा हिंदी के प्रति गर्व की भावना को प्रोत्साहित करना था।

आशु भाषण प्रतियोगिता

इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को दिए गए विषय पर सीमित समय में अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिला। कर्मचारियों ने अत्यंत स्पष्ट, प्रभावशाली और आत्मविश्वास से परिपूर्ण भाषण प्रस्तुत किए, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि यदि अवसर मिले तो वे अपनी भाषा क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं।

निबंध लेखन प्रतियोगिता

निबंध लेखन प्रतियोगिता में कर्मचारियों ने विभिन्न सामयिक और प्रासंगिक विषयों पर अपने विचार लिखित रूप में व्यक्त किए। भाषा की शुद्धता, विचारों की तार्किकता और प्रस्तुति की रोचकता इस प्रतियोगिता की विशेषता रही।

तकनीकी शब्दावली प्रतियोगिता

इस रोचक प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को विभिन्न तकनीकी शब्दों का हिंदी अनुवाद करने तथा उनके उचित प्रयोग का परीक्षण किया गया। इसने न केवल उनकी शब्द-ज्ञान क्षमता का आकलन किया, बल्कि हिंदी की वैज्ञानिकता और उसकी व्यावहारिकता का भी अनुभव कराया।

पत्र लेखन प्रतियोगिता

पत्र लेखन प्रतियोगिता के अंतर्गत कर्मचारियों ने औपचारिक और अनौपचारिक पत्रों के माध्यम से हिंदी में लेखन की सुसंगत और प्रभावशाली शैली का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता ने कार्यालयी कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने का स्पष्ट संदेश दिया।

कविता वाचन प्रतियोगिता

इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी स्वयं की रचित कविताओं का सजीव वाचन किया। इन कविताओं में भावनाओं की गहनता, भाषा की मधुरता और विषय की नवीनता स्पष्ट रूप से झलक रही थी।

राजभाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने हिंदी भाषा, उसके व्याकरण, साहित्य और राजभाषा नीतियों से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी जानकारी और जागरूकता का परिचय दिया।

हिंदी पक्षोत्सव के अंतर्गत आयोजित इन सभी गतिविधियों ने यह सिद्ध किया कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि एक जीवंत सांस्कृतिक धारा है, जो समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने और आत्मीयता का भाव पैदा करने में सक्षम है। इस आयोजन ने प्रतिभागियों में भाषा के प्रति गर्व, संवेदनशीलता और अपनत्व का भाव जाग्रत किया। महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने इन कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेकर यह साबित किया कि हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए सामूहिक प्रयास ही सफलता की कुंजी है। इस सफल आयोजन के लिए आयोजकों की लगन, प्रतिभागियों का उत्साह और महाविद्यालय प्रशासन का सक्रिय सहयोग अत्यंत सराहनीय रहा।

Photos (Drive link)

https://drive.google.com/drive/folders/15FE_beHC94FbOTXgrxqOwyrMup-uFHPF?usp=sharing